

পথচলা

ব্যান্ড : আর্টসেল

..F#.....B..Bbm..F#.....B...Bbm.....F#

আমার পথচলা আমার পথে, যেন বেলা শেষে আকাশ কার মোহে

D#m..Bbm.....G#m.....F#.....B..F#

আমার স্বপ্ন আমার সাথে যেন স্বপ্নে ফিরে আসে স্বপ্ন হয়ে

F#...B.....Bbm.....B.....C#.....F#

খুঁজে পাই জীবনের তীর, জীবন কে কোনো স্বপ্ন ভেবে

.....F#.....B.....C#.....F#.....B.....C#..

আমি কার অশাতে, ছুটে চলি পথে পথে, যেন কার মায়াতে, বাঁধা পড়েছে জীবন যে

.....F#.....B.....C#.....F#.....B..C#.....F#

কত সুখ কল্পনা, কত মিথ্যে প্রলভন, কন্ঠের প্রতিটি ক্ষণ, শোনায তার আহ্বান

আমার আলোয় আলোকিত, হতে চেয়ে আঁধারে মিলিয়ে

আমার স্বপ্ন আমার সাথে.....কোনো স্বপ্ন ভেবে

আমি কার অশাতে.....শোনায তার আহ্বান

F#.....B.....G#m.....C#

আমি আজ নেই তবু কত সুর ওঠে বেজে তোমার এই গানের মাঝে

F#.....B.....G#m.....C#

এই পথ গেছে মিশে আমার বেলা শেষে স্বপ্নে ফিরে আসে

F#..B..C#..Bbm...B.....C#...B...F#..B...C#..F#

পৃ...থি...বীর দূর দেশে জীবনকে কোনো এক স্বপ্ন ভেবে..এ..এ

.....G#.....C#.....D#.....G#.....C#.....D#..

আমি কার অশাতে, ছুটে চলি পথে পথে, যেন কার মায়াতে, বাঁধা পড়েছে জীবন যে

.....G#.....C#.....D#.....G#.....C#..D#.....F#

কত সুখ কল্পনা, কত মিথ্যে প্রলভন, কন্ঠের প্রতিটি ক্ষণ, শোনায তার আহ্বান

G#.....

আ.....আ.....আ.....আ.....

Lyrics & chords submitted by:

Nakib Ahmed

(The author of www.bdguitar.net)

nakib@bdguitar.net

nakib333@yahoo.com